अर्थशास्त्र को हम चार मुख्य भागों में विभाजित कर सकते हैं -

1) धन संबंधी परिभाषा
2) कल्याण संबंधी परिभाषा
3) दुर्लभता संबंधी परिभाषा
4) विकास संबंधी परिभाषा

1) धन संबंधी परिभाषा ->

अर्थशास्त्र धन का विज्ञान है। एडम स्मिथ के परिभाषा के अनुसार अर्थशास्त्र का संबंध केवल धन प्राप्ति संबंधी गतिविधियों से है। प्रत्येक व्यक्ति एवं समाज हो रहता है उसे अपनी सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए धन की आवश्यकता होती है उससे उनकी आधारभूत आवश्यकताओं की भी पूर्ति होती है। साधारण अर्थ में धन का अर्थ समझा है। जितने भी संसार में प्राणी (मनुष्य) उनका उद्देश्य धन अधिक से अधिक धन अर्जित करना होता है।

-> अर्थशास्त्र धन का विज्ञान है।

-> एडम स्मिथ की प्रमुख पुस्तक "

-> धन के अन्तर्गत हम उत्पादन, उपभोग, वितरण, विनिमय सम्मिलित है।

-> इस विचारधारा के अंतर्गत अर्थशास्त्र अध्ययन की मुख्य विषयवस्तु धन तथा धन संबंधी क्रियाऐं हैं।

Scanned with CamScanner

कल्याण संबंधी विचारधारा :-

कल्याण संबंधी अर्थशास्त्र सीमित संसाधनों तथा मनुष्यों का प्रयोग मानव कल्याण के लिए तथा उनकी आवश्यकता पूर्ण करता है। मार्शल ने अर्थशास्त्र में धन के अपेक्षा मानव कल्याण को प्रमुख स्थान दिया है। मार्शल ने अपनी पुस्तक "Principle of Economics" में कहा कि अर्थशास्त्र में उन वस्तुओं का अध्ययन होता है जो मानव की आवश्यकताओं को सन्तुष्ट करते हैं। मार्शल के अनुसार अर्थशास्त्र का संबंध मनुष्य के आर्थिक जीवन के भौतिक कल्याण से है।

→ अर्थशास्त्र जीवन में साधारण व्यवसाय में मानव के कार्यों का अध्ययन है।

→ मनुष्य के हम केवल विक्रेता, उत्पादक, उपभोक्ता के रूप में भी अध्ययन करते हैं।

→ यह मानव के साधारण गतिविधियों का भी अध्ययन करता है।

→ इस विचारधारा में मानव तथा मानव कल्याण को प्रमुख स्थान दिया गया है।

ग) **दुर्लभता विचारधारा** →

दुर्लभता सम्बन्धी विचारधारा का प्रतिपादन रोबिन्स ने किया। उनके अनुसार अर्थशास्त्र सीमित साधनों तथा उनके वैकल्पिक प्रयोगों का विज्ञान है। प्रो॰ रोबिन्स द्वारा 1952 में प्रकाशित पुस्तक An Essay on the nature and Significance of Economic Science में इसकी परिभाषा दी गई। अभाव अर्थशास्त्र का मूल आधार तथा चयन इसकी मुख्य समस्या है। अर्थशास्त्र एक विज्ञान है जो साध्य एवं सीमित साधनों, जिनका वैकल्पिक प्रयोग होता है, के संबंध के रूप में मानव आचरण का अध्ययन करता है। अर्थात् अर्थशास्त्र चयन का विज्ञान है।

→ मानव की आवश्यकता अनंत व असीमित है। अर्थशास्त्र मानव की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करता है।

→ अर्थशास्त्र दुर्लभता (अभाव) का अध्ययन है।

→ अर्थशास्त्र चयन का विज्ञान है।

→ साधनों का वैकल्पिक उपयोग होता है।

Scanned with CamScanner

5) विकास संबंधी विचारधारा →

विकास संबंधी अवधारणा का प्रतिपादन प्रो० शेम्युलसन ने किया। इसके अंतर्गत इस विषय का अध्ययन किया जाता है कि साधनों का विकास कैसे किया जाए ताकि भविष्य में सभी आवश्यकताओं की पूर्ति संतुष्ट हो जा सके। गतिशील आर्थिक प्रणाली होने से आवश्यकताओं में निरन्तर वृद्धि हो जाती है। इसलिए साधनों का विवेकपूर्ण उपयोग किया जाना चाहिए। तथा साधनों का विकास भी करना चाहिए ताकि निरन्तर बढ़ती हुई आवश्य आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके।

→ अर्थशास्त्र अध्ययन करता है कि समस्त आर्थिक साधनों द्वारा मानव की वर्तमान एवं भविष्य की आवश्यकताओं की संतुष्टि कैसे की जा सके।

→ अर्थशास्त्र विकास वस्तुओं का उत्पादन एवं सेवाओं में वृद्धि करता है।

→ इसमें (मानव पूंजी, मानव श्रम तथा तकनीक) सम्मिलित होते हैं।